12-04-2023

राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक, 2021-22

समाचार पत्रों में क्यों?

केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री आर. के.सिंह ने राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक (एसईईआई) 2021-22 की रिपोर्ट जारी की।

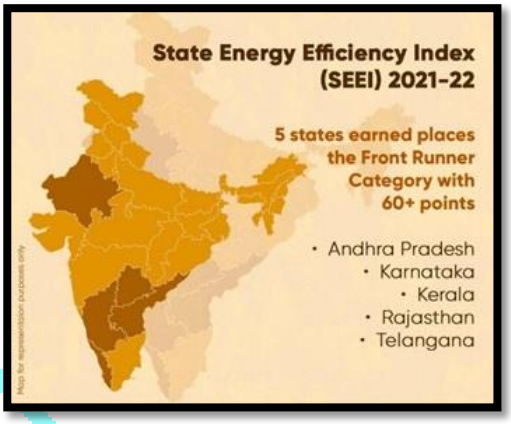

त्वरित मुद्दा?

- एसईईआई 2021-22 में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप 50 संकेतकों का एक अद्यतन फ्रेमवर्क है। राज्य स्तरीय ऊर्जा दक्षता पहलों के परिणामों और प्रभावों की निगरानी के लिए इस वर्ष कार्यक्रम-विशिष्ट संकेतक शामिल किए गए हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- राज्य विद्युत दक्षता सूचकांक 2021-22 को ऊर्जा-कुशल गठबंधन (EEE) और ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) के सहयोग से विकसित किया गया है।
- SEEI, 2021-22 में राष्ट्रीय योजनाओं के समरूप 50 संभावनाओं का एक विवरण रूपरेखा है।
- राज्य स्तरीय ऊर्जा दक्षता सबसे पहले की बातें और प्रभावों की निगरानी के लिए इस वर्ष कार्यक्रम में निश्चित रूप से शामिल किए गए हैं।
- इस सूचकांक में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ऊर्जा दक्षता प्रगति को अपनाया गया है।
- राज्यों को उनके प्रयासों और उपलब्धियों के आधार पर 'फ्रंट रनर', 'अचीवर', 'कैंटेंडर' और 'एस्पिरेंट' के रूप में चिन्हित किया गया है।
- इसके अलावा, कर्नाटक, क्षेत्र क्षेत्र, असम और चंडीगढ़ अपने-अपने राज्य-समूहों में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य हैं।
- नोएडा और क्षेत्रों ने पिछले सूचकांक के बाद सबसे अधिक सुधार दर्ज किए हैं।
- एसईईआई डेटा संग्रह में सुधार करता है, राज्यों के आपसी सहयोग को सक्षम बनाता है और ऊर्जा दक्षता कार्यक्रम के विचार विकसित करता है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

बीईई के बारे में

- भारत सरकार ने ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की स्थापना की।
- इसका उद्देश्य ऊर्जा संरक्षण अधिनियम , 2001 के तहत स्व -नियमन और बाजार के सिद्धांतों पर जोर देने के साथ अस्पष्ट और पहचान को विकसित करने में सहायता करता है।
- विद्युत संरक्षण अधिनियम द्वारा सौंपे गए कार्यों को पूरा करने के लिए, बीईई नामांकित कनेक्शन , नामित प्राधिकरण और अन्य संगठनों के साथ सहयोग करता है और मौजूदा और अवसंरचनाओं की पहचान करता है, उन्हें मान्यता देता है और उनका उपयोग करता है।
- विद्युत संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत बीईई विनियामक और प्रचार कार्य भी करता है।

- यह राज्यों को सुधार के लिए क्षेत्रों की पहचान करने, सर्वोत्तम तौर-तरीकों से सीखने और ऊर्जा दक्षता कार्यान्वयन के लिए उद्योग अनुकरण दृष्टिकोण गोद में मदद करता है।
- ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता देना, इसका उद्देश्य कार्बनकरण में कमी लाने के प्रयासों का संचालन करना और अधिक स्थायी भविष्य हासिल करना है।
- इस सूचकांक को ऊर्जा बचत और दस्तावेजों में कमी से संबंधित राज्यों की गतिविधियों की प्रगति की निगरानी में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इस सूचकांक में राज्यों को ऊर्जा दक्षता में परिवर्तन करने में मदद करने के लिए निम्नलिखित रूपरेखा तैयार की गई है, जो सतत विकास लक्ष्य (SDG) और राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC) की योजनाओं को पूरा करने में योगदान देंगे
- विशेष ध्यान देने वाले क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता के लिए वित्तीय सहायता करने में सक्षम।
- विद्युत दक्षता में उभरती हुई दृश्यता और घटक का समाधान करने के लिए राज्यों और केन्द्रों में राज्यों और मध्य प्रदेशों में समाई क्षमता विकसित करना।
- राज्यों में बड़े पैमाने पर ऊर्जा दक्षता कार्यक्रम में वित्तीय दृष्टिकोण, ऊर्जा सेवा उद्यमों और ऊर्जा पेशेवरों में पारस्परिक सहयोग में वृद्धि।
- सभी क्षेत्रों के लिए ऊर्जा डेटा रिपोर्टिंग और बुनियादी ढांचे में निगरानी लाना।

SEEI 2021-22 रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएँ	
श्रेणी	**राज्य**
फ्रंट रनर (>60 अंक)	केराल, कर्नाटक, क्षेत्र प्रदेश, जॉस्टिक, राजस्थान
अचीवर (50-60 अंक)	असम, हरियाणा, महाराष्ट्र, पंजाब

राजनीतिक पार्टी को किस तरह मिलता है राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही चुनाव आयोग ने अपनी अपडेट लिस्ट में आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया है। वहीं, कुछ पार्टियों से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा वापस ले लिया गया है।

त्वरित मुद्दा?

- भारत निर्वाचन आयोग आम आदमी पार्टी (AAP) को राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता दे दी है। इसके अलावा चुनाव आयोग ने CPI, TMC और NCP को राष्ट्रीय दलों के रूप में अमान्य करार दे दिया है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- निम्नलिखित चार राज्यों में आम आदमी पार्टी ने राज्य स्तरीय पार्टी के रूप में मान्यता पूरी तरह से ले ली है और इसलिए इस पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का स्तर प्रदान किया गया है।
  - पंजाब
  - गोवा
  - गुजरात
  - दिल्ली
- वर्तमान में भारत में कितने राष्ट्रीय भागीदार हैं ?
  - भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)
  - कांग्रेस
  - बहुजन समाज पार्टी (बसपा)
  - कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (एम)
  - नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी)
  - आम आदमी पार्टी (AAP)
- निर्वाचन आयोग ने निम्नलिखित राज्यों के स्तर को रद्द कर दिया है, लेकिन ये भागीदार पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (RUPP) के रूप में बने रहेंगे -
  - राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी)- उत्तर प्रदेश
  - भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस)- संबंधित क्षेत्र

अन्य प्रमुख तथ्य?

राष्ट्रीय पार्टी बनने पर मिलने वाली सुविधाएं

- राष्ट्रीय पार्टी का एक कॉमन चुनाव चिन्ह हो जाता है, जिसे किसी भी राज्य में कोई दूसरी पार्टी इस्तेमाल नहीं कर सकती है।
- राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने पर राजनीतिक पार्टी को नई दिल्ली में पार्टी कार्यालय स्थापित करने के लिए भूमि आवंटन होता है।
- राज्य और राष्ट्रीय स्तर के चुनाव में 40 स्टार प्रचाकर को रखा जा सकता है, जबकि बाकी पार्टियां केवल 20 स्टार प्रचारक को रख सकती हैं। वहीं, चुनाव के दौरान स्टार प्रचारक की यात्रा का खर्च पार्टी के अन्य उम्मीदवारों के खर्च में नहीं जुड़ता है।
- चुनाव से पहले पार्टी को रेडियो और टेलीविजन पर फ्री एयर टाइम मिल जाता है, जिससे पार्टी की बात अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके।

- पीपुल्स डेमोक्रेटिक एलायंस (पीडीए)- दीपक
- पट्टाली मक्कल कची (पीएमके)- पुडुचेरी
- मिजोरम पीपुल्स कांफ्रेंस (एमपीसी) - मिजोरम
- रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (RSP) - पश्चिम बंगाल

- निम्नलिखित समानता को राज्य पार्टी का स्तर प्राप्त है-
  - लोक जनशक्ति पार्टी- नागालैंड में
  - वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी- मेघालय में
  - टिपरा मोथा- त्रिपुरा
  - निर्वाचन आयोग के अनुसार हाल ही में संपन्न हुई विधानसभा चुनावों में NCP और TMC के प्रदर्शन के आधार पर क्रमश: नगालैंड और मेघालय में राज्यों की पार्टियों की मान्यता दी जाएगी।

- वर्तमान में देश में तीन प्रकार की पार्टियां हैं।
  1. राष्ट्रीय
  2. राज्य
  3. पंजीकृत गैर-मान्यताप्राप्त
- निर्वाचन आयोग चुनाव में उनके प्रदर्शन के आधार पर राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय पार्टियों के रूप में मान्यता प्रदान करता है।
- अन्य अपरिचित को केवल पंजीकृत-गैर-मान्यता प्राप्त गैर के रूप में घोषित किया जाता है।
- राष्ट्रीय पार्टी बनने की शर्तें क्या है?
  - कोई पार्टी तीन राज्यों के लोकसभा चुनाव में 2 फीसद सीटें जीते।
  - चार लोकसभा सीटों के अलावा कोई पार्टी लोकसभा में छह फीसदी वोट हासिल करे या विधानसभा चुनावों में कम से कम चार या इससे अधिक राज्यों में छह फीसदी वोट जुटाए।
  - कोई पार्टी चार या इससे अधिक राज्यों में क्षेत्रीय पार्टी के रूप में मान्यता रखे।
  - इन शर्तों में जो पार्टी एक भी शर्त पूरा करती है तो उसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलता है।
- राज्य स्तरीय राजनीतिक दल का स्तर प्राप्त करने के लिए भी कुछ मानदंड निर्धारित किए गए हैं, ये हैं-
  - यदि इस दल ने विधानसभा चुनाव में कुल वैध मतों का कम से कम 6% मत प्राप्त करने के साथ ही विधानसभा में कम से कम 2 सीट प्राप्त की हो या
  - यदि इस दल ने राज्य के लोकसभा चुनाव में कुल वैध मतों के 6% मत प्राप्त करने के साथ ही राज्य में लोक सभा के कम से कम 1 सीट चार्टिंग हो, या

- यदि इस दल ने विधानसभा चुनाव में कुल झटके का कम से कम 3% या 3 सीट, जो और भी अधिक हो, नीला की हो, या
- यदि इस दल ने हर हफ्ते 25 हफ्ते में कम से कम 1 सीट देखी हो, या
- यदि इस दल ने विधानसभा चुनाव या विधानसभा चुनाव में कुल वैध मतों का कम से कम 8% मत प्राप्त किया हो। यह शर्त साल 2011 में जोड़ी गई थी।

मुदुमलाई टाइगर रिजर्व

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में थेप्पकडु हाथी शिविर में ऑस्कर विजेता डाक्यूमेंट्री 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' में चित्रित किए गए आदिवासी जोड़े बोम्मन और बेली के साथ बातचीत की।

त्वरित मुद्दा?

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज कर्नाटक और तमिलनाडु में बांदीपुर तथा मुदुमलाई टाइगर रिजर्व का दौरा किया। उन्होंने मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में थेप्पाक्कडू हाथी कैंप का भी दौरा किया, जहां उन्होंने महावतों और कावड़ियों के साथ बातचीत की और हाथियों को खाना भी खिलाया। प्रधानमंत्री ने ऑस्कर विजेता वृत्तचित्र, "द एलिफेंट व्हिस्परर्स" में दिखाए गए हाथी पालकों के साथ बातचीत भी की।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- यह तमिलनाडु राज्य के नीलगिरी जिले में तीन राज्यों, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के ट्राई जंक्शन पर स्थित है।
- मुदुमलाई नाम का अर्थ प्राचीन पहाड़ी श्रृंखला है क्योंकि यह 65 मिलियन वर्ष पुराना है जब पश्चिमी घाट का निर्माण हुआ था।
- यह पश्चिम में वायनाड वन्यजीव अभयारण्य, उत्तर में बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान और पूर्व में सिगुर रिजर्व फॉरेस्ट से घिरा है। दक्षिण में, यह सिंगारा रिजर्व फॉरेस्ट से घिरा है।
- थेप्पाकडू हाथी शिविर एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है।
- वनस्पतियाँ: उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन, नम पर्णपाती वन, नम सागौन वन, शुष्क सागौन वन, द्वितीयक घास के मैदान और दलदल से लेकर विभिन्न प्रकार के आवास यहाँ पाए जाते हैं।
- जीव: हाथी, गौर, बाघ, पैंथर, चित्तीदार हिरण, बार्किंग हिरण, जंगली सूअर आदि ।
- यह एशिया का सबसे पुराना हाथी शिविर है। यह हाथी शिविर 100 साल पहले स्थापित किया गया था। यह मोयार नदी के तट पर स्थित है।

- इस हाथी शिविर में हाथी मुख्य रूप से मानव जंगली पशु संघर्ष से बचाव, वन मानसून गश्त, इको-टूरिज्म, हाथी संरक्षण, शिक्षा आदि हेतु उपयोग किए जाते हैं।
- 'द एलिफेंट व्हिस्पर्स' एक तमिल भाषा की डॉक्यूमेंट्री फिल्म है जो पिछले साल 8 दिसंबर को रिलीज हुई थी। यह उन लोगों की कहानी है, जो हाथियों के साथ पीढ़ी दर पीढ़ी काम करते रहे हैं और जंगल की जरूरतों के बारे में बहुत जागरूक हैं।
- द एलिफेंट व्हिस्परर्स बोम्मन और बेली नाम के एक स्वदेशी जोड़े की कहानी है, जो तमिलनाडु के मैं लेते है। हाथी रघु को मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में अनाथ हाथी के बच्चे रघु को गोद लेते है। हाथी रघु को पालने के लिए बोम्मन और बेली हर संभव प्रयास करते हैं।
- तमाम परेशानियों का सामना करते हुए वो रघु को पालते हैं, जिसके चलते इस कपल और हाथी रघु के बीच एक स्ट्रांग बॉन्ड बन जाता है। फिल्म में भारतीय परिवार और अनाथ हाथियों की जबरदस्त बॉन्डिंग को दिखाया गया है।

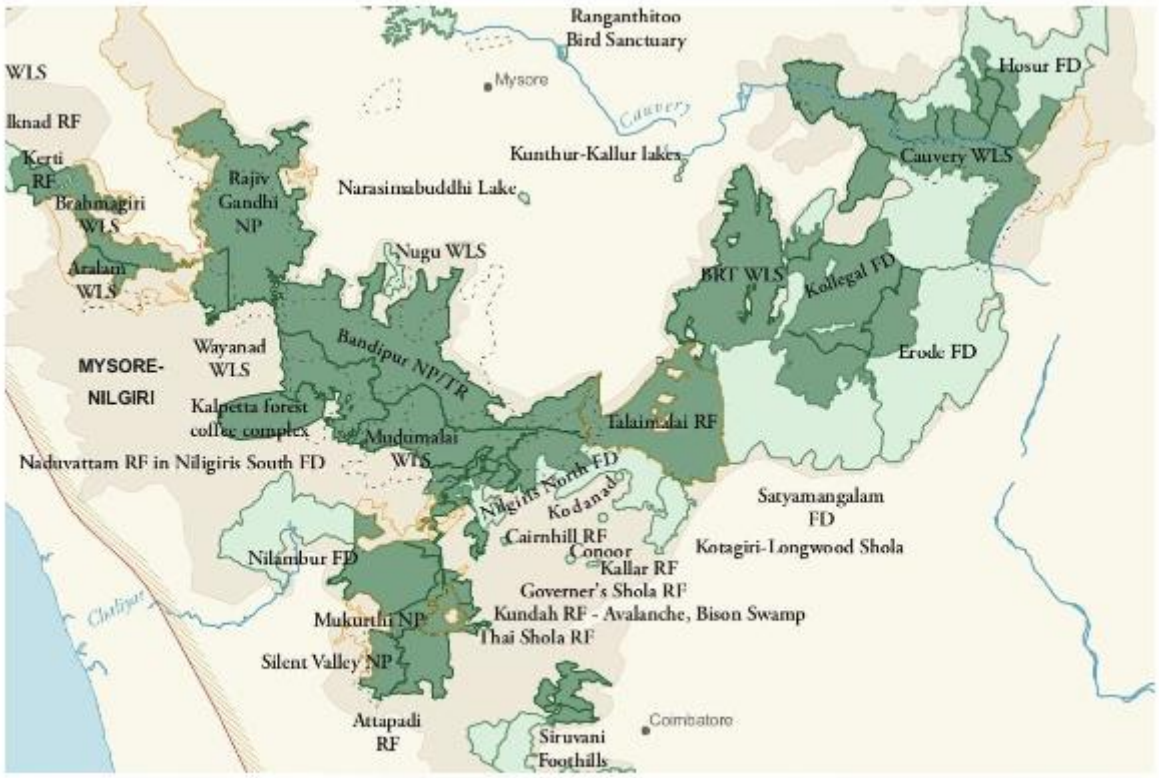

मुदुमलाई टाइगर रिजर्व